

डॉ. वाई.एस. परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय,
नौणी, सोलन (हिमाचल प्रदेश)

उपोष्णकटिबंधीय फसलों हेतु परामर्श — अक्टूबर, 2026

हिमाचल प्रदेश के उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के किसानों, फल उत्पादकों, मशरूम उत्पादकों एवं मधुमक्खी पालकों को इस माह निम्नलिखित कृषि कार्य अपनाने की सलाह दी जाती है।

1. सब्जी उत्पादन

- अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से मूली, शलजम, गाजर, मेथी एवं पालक की बुवाई तथा पछेती फूलगोभी की नर्सरी तैयार करें।
- अक्टूबर के मध्य से प्याज की नर्सरी तैयार करना शुरू करें।
- मिट्टी में उचित नमी बनाए रखने के लिए हल्की एवं नियमित सिंचाई करें।

आर्द्र गलन रोग (Damping-off) का प्रबंधन: सब्जियों की नर्सरी में आर्द्र गलन रोग दिखाई देने पर निम्नलिखित एकीकृत प्रबंधन उपाय अपनाएँ:

- बुवाई से 20 दिन पहले मिट्टी का सौर्यीकरण करें या 5% फॉर्मेलिन से उपचार करें।
- बीजों को 0.1% कैप्टान से उपचारित करें।
- पौध निकलने के बाद मिट्टी में 0.1% कार्बेन्डाजिम तथा 0.25% मैकोजेब के घोल से ड्रिपिंग करें।
- हल्की एवं बार-बार सिंचाई करें।

2. फल उत्पादन

- **अमरुद एवं आम:** पेड़ों के आकार को नियंत्रित करने तथा छत्रों के बीच कम-से-कम 1 मीटर की दूरी बनाए रखने के लिए छँटाई करें। अधिक घनी एवं आपस में उलझी शाखाओं की सुधारात्मक छँटाई भी करें।
- **ड्रैगन फ्रूट:** प्रति खंभा खाद एवं उर्वरकों की तीसरी किस्त के रूप में 4 किग्रा गोबर की खाद (FYM), 50 ग्राम नाइट्रोजन (109 ग्राम यूरिया), 39 ग्राम फॉस्फोरस (244 ग्राम SSP) तथा 33 ग्राम पोटैश (55 ग्राम MOP) डालें।
- **ड्रैगन फ्रूट में सिंचाई:** सितंबर से नवंबर तक मिट्टी की नमी एवं मौसम के अनुसार 6 माह तक की आयु वाले पौधों को 6 लीटर तथा 6 माह से अधिक आयु वाले पौधों को 8 लीटर पानी प्रति खंभा दें। सप्ताह में दो बार सिंचाई करें।
- **किन्नु:** फलों के झड़ने की समस्या को नियंत्रित करने के लिए 2,4-D का 10 ppm घोल छिड़कें। खट्टे फलों के बागों में उचित नमी बनाए रखने के लिए प्रत्येक 15 दिन के अंतराल पर नियमित सिंचाई करें।
- **आम में विकृत पुष्पक्रम एवं विकृत वृद्धि (Mango Malformation):** यदि टहनियाँ छोटी, मोटी एवं गुच्छेदार हो जाएँ या पुष्पक्रम असामान्य दिखाई दें, तो प्रभावित भागों को स्वस्थ शाखा तक काटकर हटा दें। इसके बाद 120 ग्राम पोटैशियम मेटाबाइसल्फाइड (KMS) या 40 ग्राम नेफथलीन एसिटिक एसिड (NAA) को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **लीची में लाल काई रोग (Red Rust/Algal Leaf Spot):** यदि पत्तियाँ पर उभरे हुए, मखमली, नारंगी-लाल से लाल-भूरे धब्बे दिखाई दें, जिनसे पत्तियाँ गिर सकती हैं, तो 1% बोर्डो मिश्रण का छिड़काव करें।

3. मशरूम उत्पादन

- मशरूम उत्पादन कक्ष का तापमान 17-20°C तथा सापेक्ष आर्द्रता 80-85% बनाए रखें।
- उचित वायु-संचार सुनिश्चित करें, अत्यधिक सिंचाई से बचें तथा मशरूम की नियमित तुड़ाई करें।
- संक्रमण फैलने से रोकने के लिए संक्रमित बेड एवं बैग को तुरंत हटाकर उचित तरीके से नष्ट करें तथा स्वच्छता बनाए रखें।

4. मधुमक्खी पालन

- मधुमक्खी कॉलोनियों में हाइव बीटल (छत्ता भृंग) के प्रकोप की नियमित निगरानी करें।
- संक्रमण का जोखिम कम करने के लिए छत्ते के प्रवेश द्वार को संकरा रखें तथा छत्ते में जमा कचरे और कमजोर या क्षतिग्रस्त छत्तों को तुरंत हटा दें।

मासिक उपोष्णकटिबंधीय फसल सलाहकार समिति
यूएचएफ-नौणी, सोलन (हिमाचल प्रदेश)

Dr. YS Parmar University of Horticulture and Forestry Nauni Solan-Himachal Pradesh
Advisory for Subtropical Crops- October, 2026

The farmers, fruit growers, mushroom growers and beekeepers of the subtropical region of Himachal Pradesh may follow the following cultural operations during this month.

1. Vegetable Production

- Start sowing radish, turnip, carrot, fenugreek and spinach, and raise late cauliflower nursery from the first week of October.
- Start raising onion nursery from mid-October.
- Maintain adequate soil moisture through light and regular irrigation.

Management of damping-off disease: observed in vegetable nurseries adopt integrated management practices as:

- Soil solarization/ treatment with Formalin (5%) should be done 20 days prior to sowing.
- Treat seeds with Captan (0.1%).
- After seedling emergence, drench the soil with Carbendazim (0.1%) + Mancozeb (0.25%).
- Provide light and frequent irrigation.

2. Fruit Production

- In guava and mango orchards, tree size controlling pruning for maintaining inter-canopy distance of atleast 1 meter and corrective pruning for overcrowding and intermingling branches should be carried out during this month.
- In dragon fruit, apply the third split dose of 4 kg farm yard manure (FYM), 50 g nitrogen (109g urea), 39 g phosphorus (244g SSP) and 33 g potassium (55g MOP) per pillar.
- Dragon fruit orchards should be irrigated at 6 litres per pillar (for plants of age up to 6 months) and 8 litres per pillar (for plants older than 6 months) during September to November, as per soil moisture and weather conditions. Two irrigations should be provided per week.
- Spray 2,4-D @ 10 ppm for control of fruit drop in Kinnow. Adequate moisture content should be maintained in citrus orchards during this month by providing regular irrigation at 15 days interval.
- If mango malformation (shortened, thickened and bunchy/witches'-broom shoots and abnormal panicles) is observed, remove the malformed portions up to the healthy part of the branch. After that spray potassium metabisulfite (KMS) @ 120 g/200 L water or Naphthalene Acetic Acid (NAA) @ 40 g/200 L water.
- If red rust/algal leaf spot (velvety, raised orange-red to reddish-brown lesions on leaves that may lead to defoliation) of litchi is observed, spray 1% Bordeaux mixture.

3. Mushroom Cultivation:

- Farmers who are engaged in mushroom cultivation are advised to maintain the growing room temperature at 17-20°C and relative humidity (RH) at 80-85% during this month. Adequate ventilation should be ensured, over-watering should be avoided and

mushrooms should be harvested regularly. Proper sanitation should be maintained by promptly removing and disposing of infected beds/bags to prevent the spread of contamination.

4. Apiculture (Beekeeping):

- Farmers engaged in beekeeping are advised to regularly monitor the bee colonies for hive beetle attack during this month. Hive entrances should be narrowed and debris and weak or damaged comb sections should be removed promptly to minimize the risk of hive beetle infestation.

**Monthly Subtropical Crop Advisory Committee
UHF-Nauni, Solan (HP)**